निषेध : यह सामग्री 20 सितंबर, 2005 को दोपहर 12 बजे ई.डी.टी. (वाशिंगटन डी.सी. समय) से पहले समाचार तार संप्रेषण, वेबसाइट पर लगाए जाने या अन्य किसी मीडिया उपयोग के लिए नहीं है।

विश्व बैंक

समाचार विज्ञप्ति 2006/054/S

क्रिस्टोफर नील (202) 473-7229
Cneal1@worldbank.org
नाजनैन अटाबाकी (202) 458-1450
Natabaki@worldbank.org
टीवी/रेडियो : सिंथिया केस (202) 473-2243
Ccase@worldbank.org

साम्यता गरीबी को कम करने के लिए विकास की शक्ति को बढ़ाती है : विश्व बैंक रिपोर्ट, 2006

वाशिंगटन, 20 सितंबर, 2005 — विश्व बैंक की 2006 की वार्षिक विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार साम्यता, जिसे मूलतः लोगों के बीच अवसरों की समता के रूप में परिभाषित किया गया है, विकासशील विश्व में कहीं भी सफल गरीबी न्यूनीकरण रणनीति का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए।

बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और विकास अर्थशास्त्र के लिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष फ्रैंकॉयस बॉरग्यूग्नॉन, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले दल का नेतृत्व किया है, के शब्दों में, “साम्यता दीर्घकालिक समृद्धि की तलाश की पूरक है। अपेक्षाकृत अधिक साम्यता गरीबी न्यूनीकरण के लिए दोगुनी बेहतर है। यह सतत संपोषित समग्र विकास का समर्थन करती है और यह समाज के सबसे गरीब समूहों के लिए अधिक अवसर पेश करती है।”

फ्रैंकॉयस फेरेरिया और माइकल वाल्टन के नेतृत्व में आठ लेखकों के दल द्वारा तैयार की गई साम्यता और विकास साम्यता की न केवल एक अंत के रूप में अपितु इस कारण भी वकालत करती है कि यह अक्सर अधिक और अपेक्षाकृत अधिक उत्पादक निवेश को प्रेरित करती है जिसके परिणामस्वरूप तीव्रतर विकास होता है। रिपोर्ट दर्शाती है कि देशों के भीतर और देशों के बीच में धन और अवसर के बीच मौजूद भारी अंतराल अक्सर अधिसंख्यक आबादी के निरंतर अत्यधिक वंचित रहने में योगदान देता है। इससे मानव क्षमता की बर्बादी होती है, और अनेक मामलों में सतत संपोषित आर्थिक विकास की गति धीमी हो जाती है।

लेखकों ने निष्कर्ष दिया है कि साम्यता–समर्थक नीतियों से इन अंतरालों को दूर किया जा सकता है। उद्देश्य आयों की समता नहीं है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी देखरेख, शिक्षा, नौकरियों, पूंजी तथा सुरक्षित भूमि अधिकारों तक गरीबों की पहुंच को बढ़ाना है। महत्वपूर्ण बात यह है कि साम्यता के लिए राजनैतिक आजादी और राजनैतिक शक्ति तक अपेक्षाकृत अधिक बराबर पहुंच अपेक्षित होती है। रूढ़िवादिता और भेदभाव को समाप्त करना, और न्याय व्यवस्था एवं अवसंरचना तक पहुंच को बेहतर बनाना भी इसका अर्थ है।

रिपोर्ट के प्राक्कथन में विश्व बैंक के अध्यक्ष पॉल वॉल्फोविट्ज ने कहा है कि “सार्वजनिक कार्रवाइयों का उद्देश्य उन लोगों के लिए अवसर बढ़ाना होना चाहिए जिनकी सबसे कम सुनवाई हो और जिनके पास सबसे कम संसाधन और क्षमताएं उपलब्ध हों। यह ऐसे तरीके से किया जाना चाहिए जो निजी आजादी का सम्मान करता हो तथा उसे बढ़ाता हो, और साथ ही संसाधनों के आवंटन में बाज़ारों की भूमिका को बढ़ाता हो।”

विकासशील देशों के बीच साम्यता को बढ़ाने के लिए रिपोर्ट में निर्दिष्ट रूप से आर्थिक और राजनैतिक अखाड़ों को सभी के लिए समान बनाकर अवसर की चिरस्थायी असमानता को दूर करने वाली नीतियों की वांछा की गई है। ऐसी नीतियां आर्थिक कुशलता को भी बढ़ाएंगी तथा बाज़ार की विफलताओं का शोधन करेंगी। इन नीतियों में निम्नलिखित शामिल है :

- गुणवत्तापरक स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर, और भेद्य समूहों के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराकर लोगों में निवेश करना ;
- न्याय, भूमि और आर्थिक अवसरंचनाओं यथा सड़कों, बिजली, जल, स्वच्छता और दूरसंचार तक पहुंच को बढ़ाना ;
- वित्त, श्रम और उत्पाद बाज़ारों में निष्पक्षता को बढ़ावा देना, ताकि ऋण और नौकरियों तक गरीब लोगों की सुगम पहुंच हो और किसी भी बाज़ार में उनके साथ भेदभाव नहीं हो।

साम्यता–समर्थक नीतिगत बदलावों के उदाहरणों में भूमि सुधार शामिल हैं। उदाहरणार्थ, भारत के पश्चिम बंगाल राज्य में भूमि किरायेदारी संबंधी एक सुधारवादी उपाय से साझा कृषकों के लिए समयावधि की सुरक्षा में बढ़ोतरी हुई और साथ ही, उन्हें कम से कम 75 प्रतिशत उपज की गारंटी भी मिली। इसके परिणामस्वरूप भूमि उपज में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ऋण तथा बीमा तक गरीब लोगों की पहुंच बढ़ाना भी समृद्धि बढ़ाने के लिए अवसरों को समान बनाने का एक अन्य कारगर तरीका सिद्ध हुआ है। अन्य विकासशील देशों के साथ भारत, केन्या और जिंबवावे में अध्ययनों ने दर्शाया है कि गरीब को अनिवार्यतः अमीर की तुलना में अधिक उच्चतर ब्याज दरों का भुगतान करना पड़ता है। रिपोर्ट में निष्कर्ष दिया गया है कि "इस प्रकार हमें गरीबों से अमीर की तुलना में निश्चित तौर पर कम निवेश करने की आशा करनी चाहिए, लेकिन यह सापेक्ष रूप से इस बात से भी जुड़ा है कि यदि बाज़ार सही प्रकार से कार्य करे तो क्या होगा।

देशज सुधारों के अलावा रिपोर्ट में राष्ट्रों से वैश्विक क्षेत्रों विशेषकर श्रम, सामान, विचार और पूंजी के अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में अपेक्षाकृत अधिक साम्यता को बढ़ावा देने की वांछा की गई है। यह हासिल करने के लिए इस रिपार्ट में अमीर देशों पर विकासशील देशों से अकुशल कामगारों के अधिक प्रवास, विश्व व्यापार संगठन की दोहा वार्ता के तहत व्यापार उदारीकरण के साथ आगे बढ़ने, गरीब देशों को प्रजातिगत दवाएं इस्तेमाल करने की अनुमति देने और विकासशील देशों के लिए उपयुक्त वित्तीय मानक तैयार करने के लिए जोर दिया गया है। इसमें वर्धमान और अधिक प्रभावी विकास सहायता के महत्व को दोहराया गया है।

विभिन्न देशों में विशिष्ट परिस्थितियों पर गहरा ध्यान देते हुए इन नीतियों को मिला–जुलाकर लागू किए जाने से गरीब लोगों को अधिक समान अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है जिससे उनके समाज के लिए उनके आर्थिक अंशदान में तुरंत इजाफा होगा और स्वयं उनकी गरीबी कम होगी।

चरम असमानता के नकारात्मक परिणामों को इंगित करते हुए विश्व बैंक की रिपोर्ट समता और साम्यता के बीच सुस्पष्ट अंतर को परिभाषित करती है। लेखकों का कहना है कि साम्यता आयों, या स्वास्थ्य संबंधी स्थिति या किसी अन्य विशिष्ट परिणाम के बीच समता नहीं है। बल्कि यह एक ऐसी स्थिति की तलाश है जहां समान अवसर उपलब्ध हैं, अर्थात जहां लोगों की आर्थिक उपलब्धियों के बीच अंतरों के लिए निजी प्रयास, पसंद और पहल जिम्मेदार हैं——और पारिवारिक पृष्ठभूमि, जाति, नस्ल और लिंग नहीं।

संस्थानों पर एक विशिष्ट वर्ग के कब्जे से साम्यता को क्षति पहुंचती है

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि साम्यता और समृद्धि एक–दूसरे के पूरक हैं और ऐसे उदाहरण दिए गए हैं जहां आर्थिक और राजनैतिक असमानता के उच्च स्तरों के परिणामस्वरूप ऐसे आर्थिक संस्थानों एवं सामाजिक व्यवस्थाएं पनपी हैं जो अधिक प्रभावशाली लोगों के हितों का सुव्यवस्थित रूप से समर्थन करती हैं। इसमें तर्क दिया गया है कि ऐसे संस्थान विकास और गरीबी न्यूनीकरण के लिए देश की क्षमता को क्षति पहुंचाते हैं।

रिपोर्ट के अग्रणी लेखक फ्रैंकॉयस फेरेरिया के शब्दों में, "असाम्यिक संस्थान आर्थिक लागतें थोपते हैं। उनमें राजनैतिक दृष्टि से प्रभावशाली और धनाढ्य लोगों के हितों की रक्षा करने की प्रवृत्ति होती है जो अक्सर अधिसंख्यक आबादी के लिए नुकसानदायक होता है। इससे समाज समग्र रूप से अधिक अकुशल बन जाता है। यदि मध्यम और गरीब समूह अपनी प्रतिभा को दोहन नहीं कर पाते हैं तो समाज नवविचार और निवेश के अवसर गंवा देता है।"

घाना में महिला किसानों के एक अध्ययन से असाम्यिक संस्थानों का एक उदाहरण उजागर होता है जिनके पास अपनी भूमि के सुरक्षित अधिकार नहीं थे। चूंकि भूमि तक उनकी पहुंच अनिश्चित थी, महिलाएं खेतीबाड़ी के प्रत्येक मौसम में अपनी भूमि पर खेती करती थीं और कुछ मौसमों के लिए इसे परती नहीं छोड़ पाती थी जो भूमि को उपजाऊ बनाए रखने के लिए उन्हें करना चाहिए था। वे यह इस डर के कारण करती थीं कि उच्चतर ओहदों वाले व्यक्तियों सामान्यतः आदमियों द्वारा इस बहाने से कि वे भूमि इस्तेमाल नहीं कर रही हैं, भूमि उनसे छीन ली जाएगी। इसके परिणामस्वरूप उनकी भूमि की उपज घटती गई जिससे कम उपज और बढ़ती हुई असमानता का अनैचितक चक्र उत्पन्न हुआ।

असमानता के जाल से बाहर निकलना

असमानता का जाल तब उत्पन्न होता है जब व्यक्तियों और समूहों के बीच असमानताएं समय के दौर में और पीढ़ी–दर–पीढ़ी बनी रहती हैं। उच्च शिशु मृत्यु दर और स्कूल की पढ़ाई पूरा नहीं करने की उच्च दर, बेरोजगारी और पीढ़ी–दर–पीढ़ी कम आय इन जालों की विशेषताएं होती हैं। अवसर, भले वे बड़े हों या छोटे हों, पिता से पुत्र को, माता से पुत्री को हस्तांतरित होते हैं। यह स्थायित्त्व निजी निवेश और नवविचार के लिए प्रोत्साहन को घटाता है और विकास प्रक्रिया को कमजोर बनाता है। रिपोर्ट का कहना है कि अंतर्पाशित आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक–सांस्कृतिक व्यवस्थाओं यथा नस्ल, जाति, लिंग और सामाजिक वर्गों से जुड़ी भेदभादपूर्ण रवैयों तथा चलनों के कारण भी इनका स्थायीकरण होता है।

असमानता के जालों से बचने में समाजों की मदद करने के लिए विश्व बैंक की रिपोर्ट में गरीब और निष्कासित समूहों की "एजेंसी" के सुदृढ़ीकरण के महत्व पर जोर दिया गया है अर्थात् सुनवाई और राजनैतिक जवाबदेही के अधिक सुदृढ़ व्यवस्थाओं के लिए जोर देने की उनकी सामर्थ्य। विशिष्ट वर्ग द्वारा आर्थिक और राजनैतिक शक्ति के दुरुपयोग के संबंध में अधिक जांच–पड़ताल एवं पूर्वोपाय पर जोर देकर गरीब और निष्कासित—— अक्सर महिलाओं को एक समूह के रूप में शामिल करते हुए—— साम्यिक बदलावों की नीतियों के समर्थन में मध्यम वर्गों के साथ लामबंदी कर सकते हैं।

ऐसी नीतियों से विगत में विफल हुई अव्यवहार्य लोकलुभावन नीतियों का आश्रय लिए बिना अल्पतंत्रीय प्रभुत्व कम होगा और राजनैतिक अखाड़ों में बराबरी का माहौल बनेगा।

साम्यता और विकास के नुस्खे 2004 और 2005 के लिए बैंक की विश्व विकास रिपोर्टों के निष्कर्षों की पूर्ति करते हैं जो सेवाओं तक गरीओं की पहुंच बढ़ाने और निवेश के माहौल में सुधार करने पर केंद्रित थीं।

रिपोर्ट के एक अन्य अग्रणी लेखक माइकल वाल्टन के शब्दों में "हमारा तर्क है कि साम्यता द्वारा पुरजोर अनुप्रमाणित विकास का तरीका पिछली दो विश्व विकास रिपोर्टों के ढांचे के साथ सुसंगत है। वस्तुतः साम्यता सशक्तीकरण और बेहतर निवेश माहौल हासिल करने के लिए आवश्यक पैकेज का एक बुनियादी हिस्सा है। यह सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भी अनिवार्य है।"

****

पत्रकार निषेध समाप्त होने से पहले विश्व बैंक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग सेंटर के माध्यम से
http://media.worldbank.org/secure/ पर इस सामग्री का अवलोकन कर सकते हैं।

मान्यताप्राप्त पत्रकार जिनके पास पहले से कोई पासवर्ड नहीं है, http://media.worldbank.org/
पर रजीस्ट्रेशन फॉर्म भरकर पासवर्ड के लिए अनुरोध कर सकते हैं

रिपोर्ट और संबंधित सामग्री जनता के लिए निषेध समाप्त होने के तुरंत बाद वर्ल्ड वाइड वेब पर
http://econ.worldbank.org/wdr/wdr2006/ पर उपलब्ध होगी।

मीडिया आउटलेटों से अनुरोध है कि इस रिपोर्ट संबंधी अपने समाचार में उक्त वेब एड्रेस को शामिल करें।